

हीरे का उत्खनन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के पन्ना ज़िले में एक किसान और उसके सहयोगियों को 7.44 कैरेट वजन का एक बहुमूल्य **हीरा (डायमंड)** मिला है।

मुख्य बिंदु

- हीरे के बारे में:
 - हीरा, **कार्बन** का एक अपरूप, पृथ्वी पर प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला सबसे कठोर पदार्थ है।
 - **पृथ्वी के मेटल** में नरिमति तथा **ज्वालामुखीय गतविधि** के माध्यम से सतह पर लाया गया यह पदार्थ **डाइक और सलिस** जैसे ज्वालामुखीय भू-आकृतियों में पाया जाता है।
- उपयोग:
 - आभूषण, धातु पॉलिशिंग, रत्न काटने तथा ड्रिल के लिये कनारों को काटने जैसे औद्योगिक अनुप्रयोगों में।
- भारत में हीरा समृद्ध स्थान:
 - पन्ना बेल्ट (मध्य प्रदेश), वज़रकरुर कम्बर्लाइट क्षेत्र और **कृष्णा नदी** बेसिन (आंध्र प्रदेश)।
 - कटाई (कटिंग) और पॉलिशिंग उद्योग सूरत, नवसारी, अहमदाबाद एवं पालमपुर में केंद्रित है।
 - अग्रणी उत्पादक:
 - रूस, बोत्सवाना, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC)।
- पन्ना का हीरा उद्योग:
 - पन्ना सदियों से **हीरा खनन केंद्र** रहा है।
 - अत्यधिक खनन के कारण ज़िले के हीरे के भंडार कम हो गए हैं, जिसके कारण महत्वपूर्ण खोजें कम हो गई हैं।
 - खनन, मुख्यतः आदिवासी जनसंख्या के लिये वैकल्पिक आय स्रोत के रूप में कार्य करता है, जिससे उन्हें **250-300 रुपए** की मामूली दैनिक आय प्राप्त होती है।



भारत में हीरा उद्योग

- भारत दुनिया में हीरों की कटाई और पॉलिशिंग का सबसे बड़ा केंद्र है तथा वैश्विक स्तर पर पॉलिश किये गए हीरों के निर्माण में 90% से अधिक का योगदान यहीं पर है।
- भारतीय खनजि वर्ष पुस्तिका 2019 के अनुसार, भारत के हीरा क्षेत्रों को चार क्षेत्रों में बाँटा गया है:
 - मध्य प्रदेश का मध्य भारतीय भूभाग, जिसमें पन्ना बेल्ट शामिल है।
 - आंध्र प्रदेश का दक्षिण भारतीय क्षेत्र, जिसमें अनंतपुर, कडप्पा, गुंटूर, कृष्णा, महबूबनगर और कुरनूल जिलों के कुछ हिस्से शामिल हैं।
 - छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में बेहरादीन-कोडावली क्षेत्र और बस्तर जिले में तोकापाल, दुर्गापाल आदि क्षेत्र।
 - पूर्वी भारतीय भूभाग मुख्यतः ओडिशा का है, जो महानदी और गोदावरी घाटियों के बीच स्थित है।